CHAPTER - 12
तताँ रा-वामीरो कथा

प्रश्न अभ्यास
खंड – क

प्रश्न 1:
ततॉंरा की तलवार के बारे में लोगों का क्या कहना था ?
उत्तर 1:
ततॉंरा की तलवार के बारे में लोगों का कहना था कि तलवार भले ही लकड़ी की है लकिन इसमें एक अद्‌भुत शक्ति है।उसके साहसिक कारनामों का कारण उसकी तलवार की शक्ति को मानते थे।

प्रश्न 2:
वामीरो ने ततॉंरा को बेरुखी से क्या जवाब दिया ?
उत्तर 2:
वामीरो ने ततॉंरा को बेरुखी से जवाब देते हुए कहा कि पहले तुम मुझे अपने बारे में तथा इस तरह घूरने का कारण बताओ क्योंकि मैं अपने गाँव के अलावा किसी अन्य गाँव के युवक के प्रश्नों के उत्तर देने के लिए बाध्य नहीं हूँ ।

प्रश्न 3:
ततॉंरा–वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से निकोबार में क्या परिवर्तन आया ?
उत्तर 3:
ततॉंरा–वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से निकोबार दो हिस्सों में बंट गया उसमें से एक निकोबार और दूसरा लिटिल अंदमान है ।

प्रश्न 4:
निकोबार के लोग ततॉंरा को क्यों पसंद करते थे ?
उत्तर 4:
ततॉंरा एक शक्तिशाली,नेक व मददगार युवक था । वह हमेशा दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता था और स्थानीय लोगों की सेवा करना अपना परम् कर्तव्य समझता था । इसीलिए वहाँ के लोग उसे पसंद करते थे ।

खंड – ख

प्रश्न 1:

निकोबार द्वीप समूह के विभक्त होने के बारें में निकोबारियों का क्या विश्वास है ?

उत्तर 1:

निकोबार द्वीप समूह का पहला प्रमुख द्वीप है –कार निकोबार । निकोबारियों का विश्वास है कि पहले यह दोनों ,द्वीप एक ही थे।इसके अलग होने की कथा तताँरा–वामीरो से जुड़ी हुई है । दोनों एक दूसरे से प्रेम करते थे पर गाँव के रीति–रिवाजों के कारण दोनों का विवाह नहीं हो सकता था । गाँव वालों द्वारा दोनों का अपमान करने के कारण तताराँ ने क्रोध में आकार अपनी दैवीय तलवार से धरती पर लकीर खींच दी जिससे कारण धरती का एक टुकड़ा अलग होकर निकोबार द्वीप समूह बन गया ।

प्रश्न 2:

तताँरा खूब परिश्रम करने के बाद कहाँ गया ? वहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

उत्तर 2:

तताँरा दिन भर परिश्रम करने के बाद समुद्र के किनारे टहलने के लिए निकल पड़ा। सूरज समुद्र से लगे क्षितिज में डूबने के लिए तत्पर था । समुद्र से ठंडी हवाएं आ रही थीं । पक्षियों की सांयकालीन चहचहाटें धीरे–धीरे शांत होने लगी थीं। वह विचारमग्न होकर समुद्री बालू पर बैठकर रंग–बिरंगी किरणों की समुद्री सुंदरता का आनंद लेने लगा तभी कहीं पास से उसे मधुर संगीत का स्वर सुनाई दिया जिसने उसे आकर्षित कर दिया उसे लगा कि धीरे–धीरे वह स्वर उसकी ओर आ रहा है ।

प्रश्न 3:

वामीरो से मिलने क बाद ततााँरा के जीवन में क्या परिवर्तन आया ?

उत्तर 3:

ततााँरा का जीवन मानों अकेली प्रतीक्षा थी । उसके गंभीर और शांत जीवन में ऐसा पहली बार हुआ था वह दिन ढलने के काफी समय पहले वह समुद्री चान पर पहुँच गया । और बेचैनी से लपाती के रास्ते पर अपनी निगाहें लगाए रहा अचानक नारियल के झुरमुटों में से उसे एक आकृति साफ होती दिखाई दी वह वामीरो थी उसकी खुशी का ठिकाना न रहा अह अपने को छुपाते हुए आगे बढ़ रही थी और तेज कदमो से चलती हुई ततााँरा के पास आकर ठिठक गई । दोनों एक दूसरे को देखने लगे और बहुत देर तक एक दूसरे को देखते रहे । सूरज समुद्र की लहरों में कहीं खो गया अँधेरा बढ़ने लगा अचानक वामीरो अंधेरा देखकर घर की ओर भागी ततााँरा अब भी वहीं खड़ा रहा ।

प्रश्न 4:

प्राचीनकाल में मनोंरंजन और शक्ति प्रदर्शन के लिए किस प्रकार के आयोजन किए जाते थे?

उत्तर 4:

प्राचीन काल में मनोरंजन तथा शक्ति प्रदर्शन के लिए घुड़दौड़, कुश्ती, तलवारबाजी, नृत्य–संगीत का आयोजन किया जाता था । यह आयेजन चुनौती के रूप में प्रस्तुत किए जाते थे तथा श्रेष्ठ लोगों को पुरस्कृत किया जाता था । पशुओं में तंदरुस्त पशुओं का प्रदर्शन किया जाता था ।

प्रश्न 5:

रूढ़ियाँ जब बंधन बन बोझ बनने लगें तब उनका टूट जाना ही अच्छा है। क्यों? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर 5:

रूढ़ियाँ जब बंधन बन बोझ बनने लगें तब उनका टूट जाना ही अच्छा है ,क्योंकि वे विकास के मार्ग में बाधक बन जाती हैं । समाज में अच्छी प्रवृत्तियों का विनाश होने लगता हे और जड़ता आने लगती है हर जगह विनाश का माहौल बनने लगता है और पाखंडियों का बोलबाला होने लगता है ।

खंड – ग

आशय स्पष्ट कीजिए

1.

जब कोई राह न सूझी तो क्रोध का शमन करने के लिए उसमें शक्ति भर उसे धरती में घोंप दिया और ताकत से उसे खींचने लगा ।

उत्तर 1:

तताँरा वामीरो से अलग नहीं रह सकता था । उसे क्रोध में कोई रास्ता नहीं सूझा। उसने अपने क्रोध को शांत करने के लिए धरती में अपनी तलवार को घोंप दिया और पूरी ताकत से उसे खींचने लगा जिससे धरती फट कर दो हिस्सों में बंट गई ।

2.

बस आस की एक किरण थी जो समुद्र की देह पर डूबती किरणों की तरह कभी भी डूब सकती थी ।

उत्तर 2:

तताँरा को वामीरो के आने की आशा थी । सूर्य अस्त हो रहा था। उसे लग रहा था कि अगर वामीरो नहीं आई तो आशा की एक किरण डूबती किरणों की तरह कभी भी डूब सकती है ।